शिखर 4

पाठ 9. खुशी लुटाते हैं त्योहार

कविता का उद्‌देश्य

प्रस्तुत कविता के माध्यम से त्योहारों का महत्त्व बताया गया है। त्योहारों के द्‌वारा प्रेम, सौहार्द एवं आपसी मेल-जोल को बढ़ावा देना ही इस कविता का उद्‌देश्य है।

कविता का सारांश

त्योहार हमारे जीवन में खुशियाँ लाते हैं। जब त्योहार आते हैं तो एक-दूसरे को उपहार बाँटने का सिलसिला शुरू हो जाता है। त्योहारों के आने की तुलना कवि ने माँ के प्यार और स्नेह से की है। त्योहार सभी मिल-जुल कर प्यार से मनाते हैं।

खेतों में फसलें लहराने पर खेत त्योहार मनाते हैं। फूल-फलों से लदे होने पर पेड़ त्योहार मनाते हैं। पानी से भरी होने पर नदियाँ त्योहार मनाती हैं। पेड़ न कटने पर जंगल त्योहार मनाता है। अगर सड़क पर कोई हादसा ना हो तो सड़क त्योहार मनाती है।

कवि को त्योहार कम लगते हैं इसलिए वह त्योहारों के बीज होने की कामना करता है। वह त्योहारों के बीज उगाकर खुशी से पक्षियों के साथ स्वच्छंद होकर आसमान में उड़ना चाहता है।

अध्यापन संकेत

कविता का उचित सुर और लय के साथ वाचन करें। बच्चों से कविता का मौन वाचन कराएँ। उन्हें कविता में आरोह-अवरोह के बारे में समझाएँ।

- बच्चों को त्योहारों का महत्त्व बताएँ।
- उन्हें आपस में मिल-जुल कर त्योहार मनाने के लिए प्रेरित करें।
- त्योहारों से मिलने वाले संदेश से बच्चों को अवगत कराएँ।
- बच्चों को विभिन्न त्योहारों के बारे में बताएँ।
- बच्चों से पूछे, क्या उन्हें त्योहार अच्छे लगते हैं?
- उनसे पूछें कि वे त्योहार कैसे मनाते हैं?

डिजिटल (Digital) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्‌यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।